3.1.0 शोध विधि :—

शोधार्थिनी द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य के उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्तुत शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण एवं निरीक्षण विधि का प्रयोग किया गया है

3.2.0 न्यादर्श एवं शोध न्यादर्श विधि :—

शोध जनसंख्या में से किसी चुनी गयी इकाई विशेष या इकाईयाँ विशेष को न्यादर्श की संज्ञा

Scanned by CamScanner

दी जाती है। जिसे प्रतिदर्श, नमूना, व्यादर्श आदि नामों से जानते है।

प्रमुख शिक्षाशास्त्रियों के व्यादर्श के विषय में निम्न विचार है :-

1. करलिंगर के अनुसार, " प्रतिदर्श जनसंख्या से लिया गया कोई भाग होता है, जो जनसंख्या के प्रतिनिधित्व के रूप में कार्य करता है।"[2]

2. गुडे व हॉट ने प्रतिदर्श के सम्बन्ध में कहा है कि — " एक प्रतिदर्श जैसा कि नाम से स्पष्ट है किसी विशाल सम्पूर्ण का छोटा प्रतिनिधि है।"

Scanned by CamScanner

3. डब्ल्यू० जी० कोकरन के शब्दों में — " प्रत्येक विज्ञान की शाखा में हमारे साधन सीमित है। इसलिए सम्पूर्ण तथ्य के एक अंश से अधिक का अध्ययन नहीं कर पाते, तथा उसके बारे में ज्ञान प्रस्तुत किया जाता है।" [3]

Page No.: 5
Date : / /

(4) पी० वी यंग के शब्दों में — " एक सांख्यिकीय प्रतिदर्श अपने उस समस्त समूह अथवा पुंज का लघु चित्र अर्थात् प्रतिरूप होता है जिससे प्रतिदर्श का चयन किया जाता है।"

(5) सिम्पसन एवं काफ्का के शब्दों में — "प्रतिदर्श समग्र की इकाईयों का वह अंश है, जो पूर्ण समग्र के अध्ययन हेतु चुना जाता है। एक प्रतिदर्श को समग्र की विशेषताओं का स्पष्ट चित्रण करना चाहिए। यह आपने में एक लघु समग्र है पर इसे समग्र का उप समुच्चय कह सकते है।"[5]

Scanned by CamScanner

वस्तुतः प्रतिदर्श सम्पूर्ण समष्टि का एक अंश होता है जिसमें समष्टि के अध्ययन हेतु समस्त विशेषताओं को स्पष्ट प्रतिबिम्ब दिखलाई ~~पड़~~ पड़ता है। ~~शोध~~ हेतु न्यादर्श ऐसा होना चाहिए जिससे जनसंख्या के बारे में अनुमानों में कम से कम त्रुटि हो।

~~शोध~~

Scanned by CamScanner

3.1.0 शोध विधि :— सर्वेक्षण विधि वर्तमान व प्रत्यक्ष प्रयत्नों से सम्बन्धित है। जो अनुसंधान के अन्तर्गत घटना एवं तथ्य की स्थिति को निश्चित या सुस्पष्ट करते हैं। सर्वेक्षण विधि को पुनः चार भागों में विभाजित किया जा सकता है

(अ) विवरणात्मक
(ब) विश्लेषणात्मक
(स) विद्यालय सर्वेक्षण
(द) सामाजिक

(अ) विवरणात्मक अनुसंधान के तीन प्रकार है—
$अ_1$ सर्वेक्षण परीक्षण विधि
$अ_2$ प्रश्नावली सर्वेक्षण विधि
$अ_3$ साक्षात्कार सर्वेक्षण विधि

(ब) विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण पाँच प्रकार का है
($ब_1$) आलेखी आवृत्ति
$ब_2$ प्रेक्षण आवृत्ति
$ब_3$ मापनी आवृत्ति
$ब_4$ आलोचनात्मक (विश्लेषण) घटना
$ब_5$ कारक विश्लेषण

(स) विद्यालय सर्वेक्षण
(द) सामाजिक सर्वेक्षण

वस्तुतः अनुसंधान में जहाँ न्यादर्श का आकार बड़ा हो, प्रतिनिधित्व करता हो, तब अनुसंधान में अनुसंधान कर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग होता है इस स्थिति में निष्कर्षों की बाह्य वैधता अधिक होती है आन्तरिक वैधता नहीं होती है

Scanned by CamScanner

चरों में सामान्य सह-सम्बन्ध ही होता है। निष्कर्षों को शिक्षा की परिस्थितियों में प्रयुक्त किया जा सकता है।

3.2.1 शोध न्यादर्श प्रविधि :- (शोध न्यादर्श विधि)

अनुसंधान कर्ता अपने समग्र में से न्यादर्श के चुनाव हेतु ~~निम्नलिखित~~ प्रमुख रूप से निम्नलिखित रीतियों या विधियों का उपयोग करता है —

(1) सविचार या उद्देशानुसार निदर्शन
(2) दैव प्रतिचयन या यादृच्छिक प्रतिचयन
(3) स्तरित प्रतिचयन
(4) बहु स्तरीय दैव प्रतिचयन
(5) अक्र्यंश प्रतिचयन

वास्तव में अनुसंधानकर्ता अपने शोध कार्य हेतु उपर्युक्त ~~विधियों में~~ शोध न्यादर्श विधियों में से विधि का चुनाव करते समय काफी हद तक समग्र की प्रकृति, इकाइयों की विशेषता, समग्र का आकार, शुद्धता की मात्रा, समय व साधन पर निर्भर करता है।

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थिनी द्वारा सविचार या उद्देशानुसार निदर्शन को अपनाया गया है

उद्देश्यानुसार निदर्शन :- अनुसंधान कर्ता द्वारा जब शोध कार्य ~~हेतु~~ में न्यादर्श की चयन प्रक्रिया अपनी इच्छा व आवश्यकता पर आधारित होती है अर्थात् अनुसंधान कर्ता पूरी जनसंख्या या समष्टि में से अपनी आवश्यकतानुसार या योजना एवं उद्देश्यानुसार उन इकाईयों को चुन लेता है जो उसकी

दृष्टि से समग्र या जनसंख्या को प्रतिनिधित्व करती है हो, तब इस प्रकार प्रतिदर्श का निर्माण करना सविचार निदर्शन कहलाता है।

वास्तव में उद्देश्यानुसार न्यादर्श प्राविधि में प्रतिदर्श में समग्र की किन इकाईयों को शामिल किया ~~जायेगा~~ जाये अथवा ना किया जाये यह सब शुद्ध अनुसंधानकर्ता की स्वेच्छा, विवेक, आवश्यकता योजना एवं उद्देश्य पर निर्भर करता है।

Scanned by CamScanner